32 2

खंड- 'क'

1. गद्यांश |

(क) गांधीजी बुराई करने वालों को प्यार करना चाहते थे तथा धैर्य और नम्रता के साथ समझाकर उन्हें सही रास्ते पर लाना चाहते थे |

(ख) अगर दुनिया बुराई को बढ़ावा देना बंद कर दे तो बुराई के लिए आवश्यक पोषण के अभाव में अपने-आप मर जाएंगे और बुराई समाप्त हो जाएगी |

2018

(ग) गांधीजी कहते हैं कि प्रेम की एक झूठी भावना में पड़कर हम बुराई सहन करते हैं | वह उस प्रेम की बात नहीं कर रहे जिसे पिता गलत रास्ते पर चल रहे अपने पुत्र की पीठ थपथपाता है | वह उस प्रेम की बात कर रहे हैं जो विवेकयुक्त है, बुद्धियुक्त है और एक गलती की ओर से

भी आँख बंद नहीं करता। यह सुधारने वाला प्रेम है।

(घ) असहयोग का मतलब बुराई करने वालों से नहीं, बल्कि बुराई से असहयोग करना है।

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक होना चाहिए 'गांधीजी के विचार'।

---

2. पद्यांश।

(क) ~~तुम्ह~~ बच्चे का माता-पिता की उदासी में उजाला भर देने का भाव निम्नलिखित पंक्ति में आया है:-

तुम्हारी निश्चल आँखें
तारों-सी चमकती हैं मेरे अकेलेपन की रात के आकाश में।

(ख) बच्चों को माता-पिता की सीख नुकीले पत्थरों जैसी लगती है।

(ग) माता-पिता के लिए अपना बच्चा सर्वश्रेष्ठ इसलिए होता है क्योंकि वह दुनियाभर में पिताओं की लंबी कतार है और उन्हें अपनी संतान करोड़वों करोड़ों नंबर के बाद मिलती है। और बच्चों की दुनियाँ में अपने बच्चे का स्थान सर्वश्रेष्ठ होता है।

(घ) कवि को ऐसा प्रतीत होता था कि उसके सानिध्य तथा उसकी छत्रछाया में ही उसके बच्चे का जीवन और उसकी रंग-बिरंगी दुनिया सुरक्षित है इस बात को कवि ने अपनी मूर्खता बताया है।

(ङ) इस पंक्ति का यह अर्थ है कि पिता अपने बच्चे के भले के लिए कभी-कभी उसको नसीहतें देते हैं या डाँट भी देते हैं परंतु बच्चों को पिता की इस डाँट में उनका प्रेम नहीं दिखाई देता है।

2018

खंड - 'ख'

3\.
(क) आश्रित उपवाक्य → अब बुढ़ापा आ गया।
भेद → संज्ञा ~~उपवाक्य~~ आश्रित उपवाक्य

(3)

(ख) जब मैंने मॉरीशस की स्वच्छता देखी तब मेरा मन प्रसन्न हो गया। (1)

(ग) गुरुदेव आराम कुर्सी पर लेटकर प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले रहे थे। (1)

4\. वाच्य परिवर्तन।

(1)

~~(क) मई महीने में शीला अग्रवाल को~~

(क) मई महीने में कॉलिज वालों के द्वारा शीला अग्रवाल को नोटिस थमा दिया गया था। (1)

32 6

(ख) देशभक्तों की शहादत आज भी याद की जाती है। ✓ (1)

(ग) खबर सुनने के कारण उससे चला भी नहीं जा रहा था। ✓ (1)

(घ) पहले-पहल आग का आविष्कार करने वाला आदमी कितना बड़ा आविष्कर्ता होगा। ✓ (1)

---

5. पद-परिचय।

(क) गाँव की - जातिवाचक संज्ञा, संबंध कारक, एकवचन, पुल्लिंग ✓ (1)

(4)

मिट्टी - जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन ✓ (1)

मैं - उत्तमपुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक ✓ (1)

तरस गया - अकर्मक क्रिया, भूत काल ✓ (1)

2018

(क) श्रृंगार रस

(ख) शोक

(ग) हास्य रस - 'सरकंडे से हाँथ-पाँव मटके जैसो पेट
पिचके-पिचके गाल दोऊ, मुँह तो देखो इंडिया गेट'।

(घ) वीर रस

खंड-'ग'

7.

(क) जब हालदार साहब चौराहे पर रुकते तो वहाँ

लगी नेताजी सुभाषचंद्र बोस जी की मूर्ति को देखा करते थे। मूर्ति तो संगमरमर की थी परंतु उस पर चश्मा असली लगा था। उन्हें लगा कि शायद मूतिकार चश्मा बनाना भूल गया और वहाँ के नागरिकों ने असली चश्मा मूर्ति पर लगा दिया। हालदार साहब को यही प्रयास सराहनीय लगा।

(ख) इस पंक्ति में यह बताया गया है कि आजकल लोगों के मन में देशभक्तों के लिए सम्मान की भावना नहीं रही। आजकाल लोग देशभक्ति को भूलते जा रहे हैं, वे देशभक्ति को पागलपन कहते हैं और देशभक्तों को पागल। उनके लिए देशभक्ति महत्वपूर्ण नहीं है केवल अपना स्वार्थ महत्वपूर्ण है।

(ग) दूसरी बार देखने पर लेखक को मूर्ति की आँखों पर नया चश्मा लगा हुआ मिला।

8.

(क) 'बालगोबिन भगत' पाठ में बालगोबिन भगत ने अपनी पुत्रवधु से अपने बेटे को मुखाग्नि दिलाई जबकि स्त्रियों को अंतिम संस्कार करने की आज्ञा नहीं दी जाती है। ~~औ~~ भगत ने उसके पश्चात अपनी पुत्रवधु का पुनर्विवाह करने का निश्चय किया जबकि समाज में विधवा स्त्री के पुनर्विवाह का प्रचलन नहीं है। 2

(ख) स्त्री शिक्षा विरोधियों ने जब प्राचीन काल में स्त्रियों के लिए कोई शिक्षा प्रणाली न बताकर स्त्रियों को शिक्षित करने के लिए रोका तब महावीर जी ने कहा कि यदि अतीत में स्त्रियों की कोई शिक्षा प्रणाली नहीं तो क्या हुआ आज के युग में ~~स्त्रि~~ स्त्रियों को शिक्षा की आवश्यकता है और शिक्षा प्रणाली में संशोधन ~~की~~ ~~आवश्~~ के बाद स्त्री और पुरुष दोनों ही शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। 2

(ग) इस कथन का यह आशय है कि काशी के बाबा विश्वनाथ

और बिस्मिल्लाखाँ एक दूसरे के बिना अधूरे हैं क्योंकि बिस्मिल्लाखाँ के दिन की शुरुआत बाबा विश्वनाथ मंदिर की ड्योढ़ी पर शहनाई बजाने से होती थी यदि वे काशी से बाहर होते थे तो वे अपनी शहनाई का प्याला विश्वनाथ मंदिर की ओर करके बजाते थे और सफलता और ऊँचाई प्राप्त करने के बाद भी वे काशी और विश्वनाथ मंदिर को छोड़कर नहीं गए।

(घ) वर्तमान समाज को 'सभ्य' कहा जा सकता है क्योंकि हमारे समाज में जो भी उन्नति हो रही है वह सब हमारे पूर्वजों द्वारा किए गए आविष्कार, अनुसंधान के कारण ही है। प्राचीन काल में आग की खोज हुई, सुई-धागे का आविष्कार हुआ, गुरुत्वाकर्षण के नियमों से हमें अवगत कराया गया इत्यादि ~~इन~~ इन सब आविष्कार और खोज के कारण ही हम नई-नई चीजें बना पाए और लगातार उन्नति की ओर अग्रसर हैं अतः हम अपने पूर्वजों से सभ्य हैं

पर उनसे ज्यादा संस्कृत नहीं। 2

9.

5 (क) 'हारिल की लकरी' भगवान श्री कृष्ण को कहा गया है जिस प्रकार हारिल पक्षी सदैव अपने पैरों में लकड़ी दबाए रहता है उसी प्रकार गोपियों ने भी श्री कृष्ण को अपने मन में बसा रखा है। 2

(ख) 'तिनहिं लै सौंपो' में उनकी ओर संकेत किया गया है जिनके मन चकरी के समान चंचल हैं व अस्थिर हैं। 2

(ग) गोपियों को योग कड़वी ककड़ी के समान लग रहा है जिसके बारे में उन्होंने न तो पहले कभी सुना और न ही देखा। 1

10.

(क) कवि जयशंकर प्रसाद ऐसा मानते हैं कि उन्होंने अपने जीवन में कुछ महान कार्य नहीं किया है जिसके बारे में पढ़कर लोग उससे प्रेरणा लेंगे, वह अपने जीवन में हुए छल कपटतापूर्ण व्यवहार के बारे में बताना नहीं चाहते हैं और उन्हें ऐसा लगता है कि उनके उनके खाली जीवन के बारे में पढ़कर लोग शायद उनकी हँसी उड़ाएँ अतः वे आत्मकथा नहीं लिखना चाहते हैं।

(ख) गर्मी और ऊष्मा से परेशान लोग बादलों का इंतज़ार कर रहे हैं। बादलों की गर्जना से लोगों के मन में बारिश के लिए उत्साह भर जाएगा और गर्जना के पश्चात बादल में सृष्टि के नवनिर्माण की शक्ति होती है और गर्जना के पश्चात वे बारिश करके सबको शीतलता प्रदान करते हैं।

(ग) 'कन्यादान' कविता में स्त्री की ससुराल पक्ष द्वारा दहेज के लालच में आग से जला देने के बात की गई है और पुरुष प्रधान समाज द्वारा स्त्री को वस्त्र - आभूषणों के बंधन में बाँध कर उसकी सरलता और कोमलता का फायदा उठाकर उस पर अत्याचार किया जाता है।

(घ) संगतकार जानबूझ कर अपनी आवाज को मुख्य गायक की आवाज़ से धीमा रखता है क्योंकि वह चाहता है कि श्रोतागणों के बीच मुख्य गायक के संगीत उसके गायन का सिक्का जमा रहे उसकी इस उसका स्वयं पृष्ठभूमि में रहना और मुख्य गायक को मुख्य कलाकार बने रहने देना उसकी मनुष्यता का परिचायक है विफलता का नहीं।

P.T.O

11. (ख) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ में विज्ञान के दुरुपयोग का वर्णन किया गया है। इस पाठ में यह बताया गया है कि किस प्रकार अणु बम परमाणु हथियार का आविष्कार मानव जाति के समूल नाश का कारण बन सकता है। अस्पताल में लेखक द्वारा देखे गए परमाणु हथियारों के प्रकोप का कष्ट झेलते मरीज़ों का दृश्य हमारी आत्मा को झकझोर देता है और जले हुए पत्थर पर मनुष्य के शरीर की उजली छाया हमारे ज्ञान व हमारी मानवता पर करारा प्रहार करती है। मनुष्य परोपकार भूल कर स्वार्थ को अपनाता है यदि यह सब विज्ञान और मानवीय बुद्धि का परिणाम है तो ऐसी बुद्धिमता का क्या लाभ जो मनुष्य से मनुष्य को मारना सिखाए। इस विषय पर हमें गहन विचार करने की आवश्यकता है हमें सभी व्यक्तियों को सुशिक्षा देनी चाहिए और लोगों को प्रेम,

सद्भावना व मानवता का पाठ पढ़ाना चाहिए। ~~उनमें~~ ~~ब~~ हमें बच्चों में को बचपन से ही ~~अ~~ अच्छी बातें बतानी चाहिए तभी हम इस संसार में फैल रही अशांति अहिंसा को दूर कर पाएँगे और सद्भावना का पाठ पूरे संसार को पढ़ा पाएँगे।

4

खंड- 'घ'

10

12. निबंध लेखन - (क) महानगरीय जीवन

• विकास की अंधी दौड़ - आज प्रत्येक व्यक्ति महानगर में बसना चाहता है और इसका मुख्यत: कारण है विकास की कामना। लोगों को ऐसा प्रतीत होता है कि महानगरों में ~~उन्हीं~~ उन्हें सभी सुविधाएँ प्राप्त होंगी उनका जीवन सुधर जाएगा और इसी धारणा के चलते आज

के वर्तमान युग में महानगरों में रहने तथा महानगरों को बसाने की होड़ लगी है और इसी विकास की अंधी दौड़ के कुछ दुष्परिणाम भी हैं जैसे पर्यावरण की हानि। यदि विकास के चलते हम अपने ही पर्यावरण अपनी ही धरती को नुकसान पहुँचाएंगे तो ऐसे विकास का क्या लाभ। माना कि विकास हमारे देश की उन्नति के लिए अति आवश्यक है परंतु इस विकास के लिए अपने देश के पर्यावरण को क्षति पहुँचाना कितना तर्कसंगत है।

- संबंधों का ह्रास - महानगरीय जीवन भागा-दौड़ी का जीवन है और इस भागा-दौड़ी के चलते हमें सिर्फ पैसा कमाने से मतलब और सभी प्रकार की सुविधाएँ प्राप्त करना ही हमारे जीवन का लक्ष्य बनकर रह जाता है।

इस व्यस्त जीवनशैली के चलते हम अपने पारिवारिक संबंधों पर ध्यान नहीं दे पाते और हमारे पारिवारिक संबंधों में गर्मजोशी न होने के कारण रिश्ते फीके से पड़ने लगते हैं। महानगर में रह रहा व्यक्ति अपने आस-पड़ोस से भी ज्यादा घुलता मिलता नहीं है। रिश्तों को कायम रखने के लिए मेल-मिलाप, बातचीत अति आवश्यक है परंतु काम के बोझ के चलते लोगों को एक दूसरे के साथ उठने-बैठने घुलने-मिलने का समय ही नहीं मिल पाता है।

- दिखावा – ग्रामीण जीवनशैली के बजाय शहरी जीवनशैली में दिखावा प्रवृत्ति अधिक है। महानगर में रह रहे व्यक्तियों को हमेशा एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ लगी

रहती है यदि एक व्यक्ति आर्थिक रूप से उतना सक्षम नहीं है कि वह चार पहिया वाहन खरीद सके फिर भी वह दूसरों की देखादेखी में वह अपनी आर्थिक स्थिति नहीं देखता परंतु अपने शौकों को पूरा करने की इच्छा करने लगता है जो उसके लिए हानिकारक होती है। ग्रामीण जीवन में एक सरलता होती है सबका सिद्धांत - 'सादा जीवन उच्च विचार होता है' परंतु शहरों ~~मे~~ के जीवन में एक बनावटीपन होता है और मनुष्य अपने सुखों को प्राप्त करने के लिए सर्वस्व न्योछावर कर देता है और दूसरों की बराबरी करने के चलते वह अपने जीवन को ठीक से जीना भूल जाता है और जीवन के मुख्य लक्ष्य - 'जो कि उसे खुश ~~कर~~ होकर जीना है', उसे कभी प्राप्त नहीं कर पाता है।

10

13·ग 5

औपचारिक पत्र।

सेवा में,
पुलिस ~~अधीक्षक~~ आयुक्त
~~महोदय~~ पुलिस चौकी
क ख ग नगर

विषय- आपकी सहायता से पार्क को स्वच्छ करवाने हेतु धन्यवाद पत्र।

मान्यवर,
मैं आपके क्षेत्र का नागरिक हूँ और मैंने अपने क्षेत्र के खेल के मैदान की समस्या के बारे में आपको पुलिस चौकी में आकर बताया था कि लोगों ने कूड़ा और सारी गंदगी पार्क में फेंककर ~~उसे~~ उसकी सुंदरता को नष्ट कर दिया और अब ~~ब~~ बच्चों के खेलने के लिए भी कोई स्थान नहीं बचा। आपके द्वारा भेजी गई पुलिस फोर्स ने पार्क की सफाई का

कार्य शुरु करवाया और लोगों को कड़े आदेश दिए कि वे पार्क में गंदगी न फैलाएँ।

आपने और सभी पुलिस बल ने हमारी बहुत सहायता की और पार्क को बच्चों के खेलने का स्थान दोबारा से बनाने के लिए आप सबको बहुत धन्यवाद।

भवदीय
एक जागरुक नागरिक
अ॰ ब॰ स
दिनांक - 08/03/2018

14. विज्ञापन

P.T.O

P.T.O

प्र. 5

विज्ञापन

हमारा पर्यावरण हमारी जिम्मेदारी है यदि हमें पेड़ों को काटेंगे, कुचरा इधर-उधर फेकेंगे कूड़ेदान में नहीं डालेंगे तो हमारे देश की स्वच्छता बरकरार नहीं रहेगी। ~~हम एक सब~~ तो आइए प्रण लें कि आज से हम कभी भी अपने पर्यावरण को नुकसान नहीं

P.T.O

पहुँचाएँगे औ, खाली पड़ी जमीन पर पौधे लगाएँगे, कचरा हमेशा कुड़ेदान में ही फेकेंगे और ~~देश~~ ~~का~~ अपने घर, आस-पसो पड़ोस के आसपास की जगह साफ़ रखेंगे और देश को ~~स~~ स्वच्छ बनाने में अपना योगदान देंगे।

5

20014

Total 80